सांध्य दैनिक
4PM

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-श्री गुरुनानक देव

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 274 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 12 नवम्बर, 2025

बीसीसीआई का कोहली-रोहित को... 7 | वंदे मातरम् पर फैल रहा सियासी... 3 | यूपी बना देश का सबसे बढ़ा... 2

सर्वे नहीं साजिश आयोग चुप, डाटा बोल रहा झूठ

एग्जिट पोल या फिर मूड मैनेजमेंट टूल!

» चुनाव आयोग की रोक के बावजूद परोसे जा रहे हैं एग्जिट पोल

» जिम्मेदार कौन- कौन करेगा कार्रवाई?

» 126ए के तहत एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल पर परिणाम आने तक लगी है रोक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासत में मौसम का मिजाज बदला नहीं है बस हथियार बदल गए। पहले जनता का जनादेश तय करता था कि सत्ता की बागडोर किसके हाथ में जाएगी अब यह काम सर्वे कर रहे हैं।

अजीब विडंबना है चुनाव आयोग ने जब साफ आदेश जारी किया है कि नतीजे आने तक किसी भी प्रकार का एक्जिट या ओपिनियन पोल प्रकाशित नहीं होगा तब भी मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों ने लोकतंत्र की नाक पर रूमाल रख दिया है और धड़ल्ले से सर्वे जारी किये जा रहे हैं। इन दिनों यह जो तालिका सोशल मीडिया पर घूम रही है कि एनडीए को 147 से 167 सीटें एमजीबी को 70 से 90 सीटें मिलेगी यह सिर्फ नंबर नहीं हैं यह एक मानसिक खेल है जो चुनावी सौदागर निर्लज तरीके से खेल रहे हैं। ये आंकड़े सत्ता की आस्था नहीं बल्कि सत्ता की आकांक्षा हैं। कानून कहता है कि रिप्रिजेंटेशन आफ द पीयुपिल एक्ट 1951 की धारा 126 अ के तहत किसी भी राज्य में मतदान शुरू होने से लेकर नतीजे आने तक एक्जिट पोल या ओपिनियन पोल को प्रसारित करना अपराध है। तो फिर अब सवाल उठाना लाजमी है कि चुनाव आयोग की रोक के बवाजूद एक्जिट पोल के नाम पर सर्वे कैसे बाहर आ रहे हैं? और अगर आ रहे हैं तो किसके इशारे पर ? क्या यह डाटा पत्रकारिता है या फिर लोकतंत्र की हेराफेरी?

जनता का दुख नहीं सत्ता का सुख मांपता है सर्वे

बिहार में चुनाव सिर्फ जाति और पार्टी का नहीं होता यह सम्मान और अस्मिता का युद्ध होता है। यहां का मतदाता सियासत को गिनती से नहीं गौरव से जोड़ता है। लेकिन सर्वेक्षण इस गौरव को नंबर्स में तोलने की कोशिश कर रहे हैं। 2025 के जो आंकड़े प्रसारित हो रहे हैं उनमें एनडीए को 167 तक और महागठबंधन को 70 सीटे मिलने की बात कही जा रही है जबकि सर्वे का डाटा बिहार की जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता दिखाई दे रहा है। चुनाव में बेरोजगारी, शिक्षा, पलायन, किसानों की परेशानी जैसे मुद्दे हावी रहे पर सर्वे का कोई भी कालम इन सवालों को नहीं मापता। यानी डाटा जनता के दुख को नहीं सत्ता के सुख को नापता है।

सोर्स	एनडीए	एमजीबी	अन्य
मैटराइज	147-167	70-90	2-10
पीपुल्स इंसाइट	133-148	87-102	3-6
पीपुल्स पल्स	133-159	75-101	2-13
दैनिक भास्कर	145-160	73-91	5-10
जेवीसी पोल्स	135-159	88-103	3-6
पोल ऑफ पोल्स	148	88	7
एबीपी	133-148	87-102	3-5
चाणक्य	130-138	100-108	3-5

कानून की धज्जियां उड़ाना अब आदत बन चुकी है?

चुनाव आयोग ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सभी मीडिया संस्थानों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि किसी भी प्रकार के सर्वेक्षण, अनुमान, या मतदान प्रवृत्ति का प्रकाशन चुनाव की प्रक्रिया के दौरान अपराध माना जाएगा और आयोग ऐसे व्यक्तियों/संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगा। कानून कहता है कि इन मामलों में 2 वर्ष तक की सजा का आदेश है। लेकिन चुनाव आयोग की कौन सुनता है अधिकतर मीडिया संस्थानों की आदेश की धज्जियां उड़ाना अब आदत बन चुकी है। हर बार यह बहाना बना दिया जाता है कि यह ओपिनियन पोल है एक्जिट पोल नहीं। पर सच यह है कि दोनों का मकसद जनता की राय को प्रभावित करना है। दरअसल चुनावी मौन अवधि में ऐसा सर्वे प्रचारित करना मतदाताओं के मानस पर सीधा असर डालता है। यह एक सॉफ्ट प्रोपेगेंडा मशीन है जो मतदाता को यह सोचने पर मजबूर करती है कि बहुमत तो पहले ही तय हो चुका है। यानी चुनाव से पहले ही चुनाव का माहौल तय कर देना यही है डाटा की राजनीति।

सर्वे अब सच्चाई नहीं बताते बल्कि सच्चाई बनाते हैं

सर्वे का खेल केवल राजनीति का नहीं है बल्कि पैसे का भी है। कई एजेंसियां इंडिपेंडेंट नाम से सर्वे करती हैं पर पीछे से उनका फंडिंग किसी मीडिया हाउस का विज्ञापनदाता होता है या फिर किसी राजनीतिक दल का थिंक टैंक। इस तरह के मैनेज्ड पोल्स का उद्देश्य यह नहीं होता कि जनता की नब्ज समझी जाए बल्कि यह कि जनता की नब्ज बदली जाए। एड गुरू राजीव शुक्ला कहते हैं कि सर्वे अब सच्चाई नहीं बताते बल्कि सच्चाई बनाते हैं। यह वाक्य बिहार की मौजूदा परिस्थिति पर एकदम सटीक बैठता है। 2025 के इन लीक्ड सर्वे का लक्ष्य जनता को यह विश्वास दिलाना है कि एनडीए की जीत तय है।

चौथा खम्भा या फिर चौथा ठेकेदार

मीडिया जो कभी जनता की आवाज कहलाता था अब जनता का मन बदलने वाला टूल बन चुका है। बड़े-बड़े चैनलों के स्क्रीन पर फ्लैशिंग ग्राफिक्स, हाई डेफिनिशन बार ग्राफ्स, और एक्सपर्ट्स पैनल की बारात घूम रही है। मगर हम आपको बताते हैं कि यह भीतर की सच्चाई नहीं है बल्कि यह सब डाटा का नाटक चल रहा है। 2025 का बिहार सर्वे भी उसी स्क्रिप्ट पर लिखा गया है। मैटराइज, पीपुल्स इंसाइट, चाणक्य, पोल ऑफ पोल्स यह नाम सुनने में वैज्ञानिक लगते हैं लेकिन इनकी सैंपल साइज, कार्यपद्धति, और ग्राउंड टीम की पारदर्शिता पर कोई जवाब नहीं देता। सर्वे एजेंसियों से पूछा जाए कि उन्होंने कितने जिलों में फील्ड रिसर्च किया तो जवाब आता है यह गोपनीय जानकारी है। गोपनीयता लोकतंत्र का गहना नहीं षड्यंत्र का पर्दा है।

मूड आफ नेशन तैयार करते हैं

हर चुनाव में यह प्रवृत्ति देखी गई है कि विजेता का अनुमान बताने वाले सर्वे मूड ऑफ द नेशन तैयार करते हैं। यह प्री पोल माइंड गेम होता है। राजनीतिक दल जानते हैं कि जनता का एक बड़ा हिस्सा विजेता की तरफ झुकता है। तो सर्वे वही करते हैं जो विजेता को घोषित कर सके। यही वजह है कि हर बार आंकड़े सत्ता के पक्ष में झुकते दिखते हैं। बिहार की गलियों में आज भी यह वाक्य आसानी से सुने जा सकते हैं कि हमारे वोट पर दिल्ली के चैनल का नहीं गोपालगंज के खेत का असर पड़ता है। यह वाक्य ही इन सर्वेक्षणों की झूठी महिमा का अंतिम संस्कार करने के लिए काफी है।

एग्जिट पोल झूठ का पुलिंदा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- सत्ता पक्ष द्वारा पहले से तैयार झूठे सर्वे हैं ये पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) को सत्ता पक्ष द्वारा पहले से तैयार झूठे सर्वे करार दिया तथा मतदाताओं को बदलाव के लिए ऐतिहासिक मतदान के वास्ते बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में जल्द ही प्रगतिशील, रोजगार सृजन करने वाली महागठबंधन की सरकार बनेगी।

उन्होंने महागठबंधन के सभी उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मतगणना प्रक्रिया के दौरान सतर्क रहने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन कहां रखी हैं, इस पर नजर रखने और 24 घंटे निगरानी बनाए रखने की सलाह दी।

ऐतिहासिक वोटिंग करने के लिए बिहार के हर मतदाता को बधाई

यादव ने एक्स पर कहा, बदलाव के लिए ऐतिहासिक वोटिंग करने के लिए बिहार के हर मतदाता को बधाई और नयी प्रगतिशील नौकरी देनेवाली महागठबंधन सरकार बनने के लिए अग्रिम बधाई! सत्ता पक्ष द्वारा पहले से तैयार कुछ झूठे एग्जिट पोल गुमराह कर रहे हैं। 'जिनका दाना, उनका गाना' के कारण जानबूझकर एग्जिट पोल से भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, जब चुनाव आयोग मतदान के कई दिनों तक वोटों का आंकड़ा नहीं दे पाता है तो ये चैनल कैसे एक घंटे में सब बता देते हैं। इनके झूठ के ग्राफ़िक्स कई दिनों पहले से तैयार हो जाते हैं। जहां से भोजन-पानी का इंतजाम होता है, ये झूठे चैनल उसकी पंगत में जा बैठते हैं।''

उत्तर प्रदेश के लोकसभा के चुनाव का एग्जिट पोल देख लें

उन्होंने कहा,'' जिनको लगता है कि ये एग्जिट पोल सही हैं वो उत्तर प्रदेश के लोकसभा के चुनाव का एग्जिट पोल देख लें, जहां बड़े-बड़े भाजपाई सूरमाओं की हार हुई और फ़ेक एग्जिट पोलों की भी। यादव ने एग्जिट पोल के जरिये भाजपा नीत गठबंधन को बढ़त दिखाकर गड़बड़ी का रास्ता खोलने की कोशिश का आरोप लगाया।

चौकन्ने रहें और किसी भी घपले-घोटाले को होने से रोकें

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महागठबंधन के हर दल, हर प्रत्याशी, हर कार्यकर्ता और हर समर्थक से हमारी ये अपील है कि आप सब पूरी तरह चौकन्ने रहें और किसी भी घपले-घोटाले को होने से रोकें। जहां मशीनें रखी हैं वहां चौकसी करें और चौबीसों घंटे निगरानी रखें। महागठबंधन जीत रहा है, इसीलिए जीत का सर्टिफिकेट लिए बिना चैन की सांस न लें। उन्होंने कहा, याद रखें- हमने अवध में हराया था, आप मगध में हरा रहे हैं। विजय का सूत्र - जब तक जीत का प्रमाण नहीं, तब तक विश्राम नहीं। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के तहत मंगलवार को हुए मतदान के बाद विभिन्न एजेंसियों द्वारा जारी ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया जा रहा है।

शव ले जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं दी गई : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दिल्ली ब्लास्ट मामले में आप का भाजपा पर आरोप

नई दिल्ली। आप के प्रतिनिधिमंडल ने एलएनजेपी अस्पताल पहुंचकर लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धमाके में घायल हुए लोगों व मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में पहुंचे आप नेताओं ने अस्पताल में व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि अस्पताल में भारी अव्यवस्था है और पीड़ितों को शव ले जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं दी जा रही। सरकार ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। यह सरकार तालिबान को एंबुलेंस दे सकती है लेकिन देश के लोगों को नहीं जिनके घरों में धमाके से तबाही मची है। पीड़ित परिवार बेहद पीड़ा में हैं।

प्रतिनिधिमंडल में विधायक दल के चीफ व्हिप संजीव झा, पूर्व मंत्री इमरान हुसैन, विधायक कुलदीप कुमार सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय राजधानी के लाल किले के पास हुए धमाके को दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी में बम विस्फोट करार दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी हमले की साजिश व सजा से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। इस बम विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां कई जगहों पर छापेमारी कर रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उत्तरी जिले के कोतवाली थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एनडीए के विधायक के बिगड़े बोल पीडब्ल्यूडी अफसर पर भड़के विनय वर्मा

» कहा- नंगा करके घुमाऊंगा जूते से मारूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सिद्धार्थनगर में एनडीए की सहयोगी अपना दल के विधायक विनय वर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो है जिसमें वो एक अधिशासी अभियंता कमल किशोर पर बुरी तरह भड़कते नजर आ रहे हैं। विधायक जी का गुस्सा इतना हाई कि वो पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को नंगा कर चौराहे में घुमाने और जूते से मारने की बात कह रहे हैं। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

विनय वर्मा सिद्धार्थनगर जिले की शोहरतगढ़ सीट से विधायक हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार को रेस्ट हाउस में अधिशासी अभियंता कमल किशोर औरपीडब्ल्यूडी के कुछ इंजीनियर के साथ कमरे में बैठे हुए थे। इतने में विधायक विनय वर्मा अपने समर्थकों के साथ रेस्ट हाउस में पहुंच गए। पहुंचने के बाद वह फिल्मी स्टाइल में दरवाजे को खोलकर अंदर चले गए जहां पर अधिशासी अभियंता कमल किशोर कुछ ठेकेदारों के साथ बैठे हुए थे। विधायक विनय वर्मा ने अंदर पहुंचते इंजीनियरों को डांटना और फटकारना शुरू कर दिया। उन्होंने धमकी देने के अंदाज में कहा कि वो उन्हें ठीक कर देंगे। साथ में नंगा करके चौराहे पर घुमाने की धमकी भी दे डाली।

विधायक विनय वर्मा का वीडियो वायरल

बताया जा रहा है कि कमरे में कुछ ऐसे ठेकेदार भी थे, जिन्हें ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है. इन ठेकेदारों ने विधायक के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए थे। जब विनय वर्मा ने ये देखा तो वो बुरी तरह भड़क गए और उन्होंने कमल किशोर पर चिल्लाते हुए कहा कि विधायक की सुनते नहीं हो और यहां बैठकर इनके साथ बैठकर दलाली कर रहे हो. जनता परेशान है और काम नहीं कर रहे हो।

अधिशासी अभियंता को लगाई फटकार

विधायक यहीं न रुके. उन्होंने कहा कि तुम्हें नंगा कर चौराहे पर घुमाऊंगा और निकाल कर जूता मारूंगा तुम सब के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराऊंगा. वायरल वीडियो में विनय वर्मा अधिकारियों पर चीखते-चिल्लाते रहे. जबकि कमल किशोर (अधिशासी अभियंता) हाथ जोड़ कर माफी मांगते रहे. विधायक ने खुद भी इस घटना का फेसबुक पर लाइव किया और कहा कि वो इसे मुख्यमंत्री को भी दिखाएंगे।

बीजेपी के कार्यक्रम में लग रहा सरकार का पैसा : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» वंदे मातरम् के जश्न पर भड़के राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर जो कार्यक्रम हो रहे हैं. उनका बीजेपीकरण किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन आयोजनों में केवल बीजेपी और आरएसएस के लोगों को बुलाया जा रहा है, जबकि आम जनता और अन्य वर्गों को शामिल नहीं किया गया है।

अशोक गहलोत ने कहा,आप सरकार में हो, वंदे मातरम के 150 साल मना रहे हैं, खुशी की बात है, लेकिन ये इन कार्यक्रमों का बीजेपीकरण कर रहे हैं। सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं और आरएसएस के लोगों को बुला रहे हैं. देश की जनता इनमें शामिल ही नहीं हैं. सभी को शामिल करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सभी दलों, समाजसेवियों, पत्रकारों और प्रतिष्ठित लोगों को बुलाना चाहिए. उन्होंने कहा, देश के अंदर ऐसे इवेंट बहुत महत्व रखते हैं. मैंने हमेशा देखा है कि जब ऐसे आयोजन होते हैं तो सबको बुलाया जाता है. उनसे सुझाव मांगे जाते हैं कि एक साल तक चलने वाले कार्यक्रमों में क्या किया जाए. यह कायदा होता है. लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वंदे मातरम का इतिहास कांग्रेस से जुड़ा हुआ है. उन्होंने कहा, इनका संबंध क्या है उस वंदे मातरम से? आज तक इनकी शाखा में वंदे मातरम नहीं गाया गया है. इनका अलग गीत है वंदे मातरम. पहली बार कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर जी ने वंदे मातरम गाया था. तब से कांग्रेस गाती आई है. देश की स्तुति है। कोई दिक्कत नहीं, आप भी गाओ. लेकिन अब आपने 100 साल बाद शुरू किया है तो भी ठीक है, पर इसे राजनीति में मत बदलो।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी बना देश का सबसे बढ़ा बेरोजगार प्रदेश : संजय सिंह

» आप सांसद ने शुरू की सरयू से संगम तक की पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आम आदमी पार्टी ने योगी सरकार को घेरने की पूरी योजना पूरा काम करना प्रारंभ कर दिया है। बुधवार को सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में बड़ी देवकाला तिराहा स्थित एक लॉन में जनसभा आयोजित कर 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' के नाम से सरयू से संगम तक पदयात्रा की शुरुआत की।

उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा बेरोजगार राज्य बन गया है। यहां युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, जबकि भ्रष्टाचार चरम पर है। पेपर लीक कराकर सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।यह पदयात्रा 13 दिनों तक चलेगी, जो अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अमेठी होते हुए प्रयागराज पहुंचेगी। इस दौरान कार्यकर्ता लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। सभा को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा उन बेरोजगारों, किसानों, मजदूरों और हर उस व्यक्ति की आवाज है, जिसे न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि रोजगार भी चाहिए और सामाजिक न्याय भी – को लेकर हम सरयू से संगम तक संकल्प लेकर चलेंगे ।

देश को पार्टटाइम पीएम नहीं चाहिए

देश को पार्ट टाइम प्रधानमंत्री नहीं चाहिए। हमें एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो जिम्मेदारी से काम करे। प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली धमाके के अगले दिन प्रधानमंत्री मोदी का भूटान चले जाना जिम्मेदारियों से भागना है।

सरकार धर्म और जाति के नाम पर लोगों को भटका रही

उन्होंने कहा कि सरकार धर्म और जाति के नाम पर लोगों को भटका रही है, जबकि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय बात तक नहीं कर रही हैं। लखनऊ के काकोरी में दलित बुजुर्ग को पेशाब पिलाई जाती है, कथा वाचक का सिर मुंडवा दिया जाता है, सीआरपीएफ जवान को सिर्फ इसलिए घोड़ी पर नहीं चढ़ने दिया जाता क्योंकि वह दलित है, यह सब उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

वंदे मातरम् पर फैल रहा सियासी भ्रम

जयराम बोले- मौजूदा मुद्दों से भटकाते हैं पीएम

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

» मोदी ने कहा- कांग्रेस ने किया गीत से छेड़छाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में चनावी समर के बीच देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंदे मातरम् पर दिए बयान पर काफी शोरशराबा होने लगा है। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस का आरोप है कि पीएम ने 1937 की कांग्रेस वर्किंग कमेटी और रविंद्रनाथ टैगोर का अपमान किया है।

कांग्रेस ने कहा कि पीएम को अपने राजनीतिक मुद्दे वर्तमान ज्वलंत मुद्दों पर उठाने चाहिए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री का सीडब्ल्यूसी और टैगोर का अपमान करना चौंकाने वाला है, लेकिन आश्चर्यजनक नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि आरएसएस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं निभाई थी।

1937 में हुई थी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक

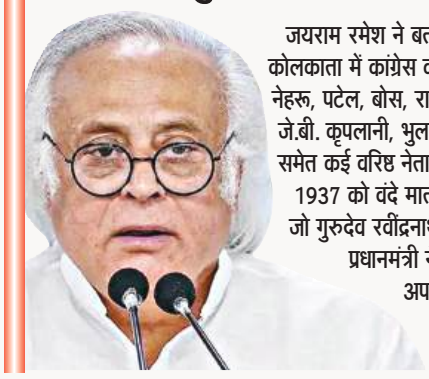

जयराम रमेश ने बताया कि 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 1937 तक कोलकाता में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी। जिसमें गांधीजी, नेहरू, पटेल, बोस, राजेंद्र प्रसाद, मौलाना आजाद, सरोजिनी नायडू, जे.बी. कृपलानी, भुलाभाई देसाई, जमनालाल बजाज और नरेंद्र देव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि 28 अक्टूबर 1937 को वंदे मातरम् पर कार्यसमिति का बयान जारी हुआ था, जो गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह से गहराई से प्रभावित था। प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक समिति और टैगोर दोनों का अपमान किया है। यह चौंकाने वाला तो है, लेकिन आश्चर्यजनक नहीं, क्योंकि आरएसएस का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था।

क्या है वंदे मातरम् विवाद?

दरअसल, बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस गीत में स्त्री शक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत को एक मां के रूप में प्रस्तुत किया, मातरम। गीत में उन्होंने स्त्री को आक्रामक (सत्तर करोड़ हाथों में तलवारें चमकती हैं और सत्तर करोड़ आवाजें किनारे से किनारे तक उनके भयानक नाम से गरजती हैं।) और सौम्यता (मां सहजता, प्रदान करने वाली, धीमी और मीठी हंसी।) के रूप में भी उल्लेखित किया। बाद की पंक्तियों में, खासकर आखिरी की दो पंक्तियों में चटर्जी हिंदू देवियों दुर्गा, कमला (या लक्ष्मी) और सरस्वती का उल्लेख करते हुए उन्हें देश की स्त्री रक्षक, अद्वितीय शुद्ध और परिपूर्ण बताते हैं। फिर 1937 में तत्कालीन नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने फैजपुर में राष्ट्रीय सभाओं के लिए केवल पहले दो छंदों का उपयोग करने का निर्णय लिया। तर्क यह था कि हिंदू देवी-देवताओं के प्रत्यक्ष संदर्भ मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों को पसंद नहीं आए; उन्हें बहिष्कारक माना गया।

राजनीतिक संघर्ष मौजूदा मुद्दों पर लड़ना चाहिए

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को अपने मौजूदा राजनीतिक संघर्ष, मौजूदा मुद्दों पर लड़ना चाहिए। जैसे बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और गिरती निवेश दर। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की आर्थिक नीतियों ने असमानता को बढ़ाया है, बेरोजगारी चरम पर है, निवेश की रफ्तार थम गई है, विदेश नीति पूरी तरह विफल हो चुकी है और वे सिर्फ देश के पहले प्रधानमंत्री को बदनाम करने में लगे हैं। कांग्रेस का यह बयान पीएम मोदी के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को छोड़ दिया गया था, जिससे देश के विभाजन के बीज बोए गए। पीएम ने कहा था कि ऐसी विभाजनकारी मानसिकता आज भी देश के लिए एक चुनौती है।

विधानसभा उपचुनाव भी बढ़ा रहे तनाव

उमर अब्दुल्ला और भगवंत मान की साख दांव पर

» तरनतारन और बडगाम में सत्ताधारी पार्टी का इम्तिहान

» जमकर लोगों ने किया मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के साथ पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी उपचुनाव हो रहे हैं। पंजाब की तरनतारन सीट पर आम आदमी पार्टी सरकार की परीक्षा होगी। वहीं जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की साख दांव पर है। दोनों सीटों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

यह उपचुनाव 2027 के विधानसभा चुनावों का भी संकेत देंगे। भले ही ये एक-एक विधानसभा सीट हैं लेकिन ये दोनों इसलिए अहम हैं क्योंकि इसे राज्य की सत्ताधारी पार्टी के टेस्ट के तौर पर भी देखा जा रहा है। पंजाब में यह उपचुनाव जहां आम आदमी पार्टी सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान की परीक्षा है वहीं जम्मू-कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का टेस्ट।

तरनतारन सीट पर सबका फोकस

पंजाब की तरनतारन सीट खादूर साहिब लोकसभा सीट में आती है और यहां सिख समुदाय की मजबूत पंथिक मौजूदगी है। यहां से आप विधायक के निधन के बाद ये सीट खाली हुई। आप ने इस सीट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में 40.45 पर्सेंट वोट हासिल किए थे। अभी आप ने हरमीत सिंह संधू को उम्मीदवार बनाया है, जो शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक हैं और हाल ही में आप में शामिल हुए। कांग्रेस ने करणबीर सिंह बरज को उम्मीदवार बनाया है जो पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार सुखविंदर कौर रंधावा हैं और बीजेपी के हरजीत सिंह। अमृतपाल सिंह गुट का भी यहां उम्मीदवार है। यह सीट आम आदमी पार्टी की राज्य सरकार का भी टेस्ट है और फिर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का भी लिटम।

पंजाब में केजरीवाल कर रहे लगातार प्रचार

पंजाब में आम आदमी पार्टी उम्मीदवार के लिए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल लगातार प्रचार कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने कई बड़े रोड शो भी किए हैं। बीजेपी भी इस सीट पर मेहनत कर रही है। बीजेपी के हरियाणा के सीएम भी यहां प्रचार के लिए जा रहे हैं। बीजेपी भगवंत मान सरकार पर आरोप लगा रही है कि उन्होंने अपने वादे पूरे नहीं किए और इस नाम पर अपने उम्मीदवार के लिए वोट मांग रही है।

बडगाम सीट पर आगा परिवार की साख दावं पर

जम्मू-कश्मीर की बडगाम विधानसभा सीट पर हो रहा उपचुनाव इसलिए भी ज्यादा दिलचस्प हो गया है क्योंकि यहां आगा परिवार के बीच जंग है। दो उम्मीदवार आगा परिवार से हैं जो यहां का एक प्रभावशाली परिवार है। 2024 के विधानसभा चुनाव में एनसी नेता और अभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गांदरबल दोनों सीट से चुनाव जीता था और फिर बडगाम से इस्तीफा दिया। इस सीट पर उमर अब्दुल्ला की साख भी दांव पर है और ये अब्दुल्ला सरकार की परीक्षा भी है। एनसी उम्मीदवार आगा सैयद महमूद पूर्व मंत्री हैं। पीडीपी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतजिर मेहदी एनसी उम्मीदवार के भतीजे हैं और इनके परिवार के बीच रंजिश मानी जाती है। बीजेपी ने आगा सैयद मोहसिन को अपना उम्मीदवार बनाया हैं। इस सीट पर एनसी उम्मीदवार के लिए मुख्यमंत्री ने रोड शो किए हैं। प्रचार के दौरान उमर अब्दुल्ला ने बिजली बिलों में राहत देने के अपने वादे को दोहराया और कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादा किया है कि जिसका बिजली बिल 200 यूनिट से कम है, उसका बिल शून्य माना जाएगा। उन्हें भुगतान नहीं करना होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ती आर्थिक असमानता तबाही का संकेत

दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है।

पूरे विश्व समेत भारत में आर्थिक दूरियां बढ़ती जा रही हैं। अर्थात देश के संसाधन को अच्छाखासा भाग एक या दो प्रतिशत लोगों के पास है। अर्थात आर्थिक असमानता होना अब आम बात हो गई है। जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है।

यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं। सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बड़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युवाओं को प्रेरित करती लड़कियों की सफलता

गुरबचन जगत

'होशियारपुर से 30 किलोमीटर दूर चोटाला गांव के एक छोटे किसान की बेटी सहजलदीप कौर ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की मेरिट सूची में 13वां स्थान पाया, जिससे वह अपने गांव का गौरव और असंख्य ग्रामीण लड़कियों के लिए आशा की किरण बन गई'। पढ़ाई ग्रामीण स्कूलों में हुई और मोहाली स्थित माई भागो सशस्त्र बल तैयारी संस्थान में ट्रेनिंग ली। जब मैं ये लेख लिखने बैठा, तभी भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतने की खबर आई। इस टीम में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल की करीब पांच ग्रामीण लड़कियां हैं। मेरी राय में, वे न केवल शेष ग्रामीण लड़कियों के लिए, बल्कि लड़कों के लिए भी आशा की किरण हैं। निचले आर्थिक तबके की ये लड़कियां, जिनके माता-पिता कभी क्रिकेट पिच के पास तक नहीं गए होंगे, खेलना तो दूर की बात, उन्होंने साबित कर दिया कि उत्कृष्टता के प्रति समर्पण शॉर्टकट तलाशे बिना, गरीबी से उबरने में सक्षम बनाता है।

स्व-प्रेरित, अधिकांशत: स्व-शिक्षित, माता-पिता का प्रोत्साहन व आगे उनके खेल कौशल को मान्यता और पेशेवर कोचिंग का साथ मिला। ये लड़कियां साबित करती हैं कि बिना किसी महंगे स्कूल के भी यह संभव है, कि विदेश जाने की मृगतृष्णा में पढ़ाई छोड़ना जरूरी नहीं, जमीन बेचकर या पैसे उधार लेकर (40-50 लाख रुपये), कोई 'डंकी' रूट लेने और कहीं राह में सड़ने-मरने की जरूरत नहीं। पुराने दिन चले गए, पश्चिम को अब सस्ते विदेशी श्रम, आईटी और इंजीनियरिंग पेशेवर, या कहें कि छात्रों की और जरूरत नहीं। यह बात अमेरिका द्वारा अपनी व्यापार नीतियों, पेशेवरों और छात्रों के लिए नई वीजा नीतियों और अवैध प्रवासियों पर बढ़ते संरक्षणवादी रुख से जाहिर हैं। नौकरियां देने से मना किया जा रहा या उन्हें नागरिकता स्टेटस से जोड़ दिया है। नस्लवाद भी भयावह रूप में है, जिसमें रेप, शारीरिक-मौखिक दुर्व्यवहार और हत्या तक की घटनाएं हो रही हैं। सड़कों पर, अपनी दुकानों के सामने या घरों में, अप्रवासियों को कई रूपों में नफरत झेलनी पड़ रही।

यह प्रवृत्ति अमेरिका तक सीमित नहीं; ब्रिटेन व यूरोप के कुछ हिस्सों और ऑस्ट्रेलिया में भी दक्षिणपंथी विचारधारा खुलकर सामने आ रही है। इसके कई कारण हैं (क) उनकी अपनी अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ना और चीन एवं उसकी औद्योगिक ताकत के उदय से मिलती कड़ी चुनौती; (ख) प्रौद्योगिकीय प्रगति व एआई के

आगमन ने ऑटोमेशन और कंप्यूटिंग को जन्म दिया, जिससे सस्ते विदेशी श्रम और तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरतें कम हो रही। एक नया बदलाव घेर रहा है जिसका रोजगार पर पूरा असर अभी देखना-समझना बाकी है। बहुत कुछ बदलेगा, क्योंकि इस उथल-पुथल के मूल में यही है। पश्चिम का संदेश स्पष्ट है - 'घर जाओ'। सवाल है, इस नए युग के आगमन में भारत कहां खड़ा है? गत वित्त वर्ष में भारत को 135.46 अरब डॉलर की विदेशी धनराशि प्राप्त हुई (द टाइम्स ऑफ इंडिया, जून 2025), लगभग 10 वर्ष हम लगातार सर्वाधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाला मुल्क बने रहे। लगभग 150 करोड़ की आबादी वाला यह देश, जो दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है, जहां लगभग 6 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीबी में गुजारा करते हैं और करीब 13 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं, और उच्च शिक्षा प्राप्त स्नातकों में तो यह आंकड़ा बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया है (विश्व बैंक के अनुसार), उसके सामने भारी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। पिछले तीन दशकों में हमारी आर्थिक प्रगति में बड़ा बदलाव आया और भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनोमी बन गई। गरीबी के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई, फिर भी मध्यम आय वाला राष्ट्र बनने के लिए हमें अभी बहुत कुछ करना है, उच्च आय राष्ट्र बनने की तो बात छोड़ दें। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले 6 प्रतिशत नागरिकों का करीब 9 करोड़ लोग बन जाता है; यह ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की साझी आबादी से ज्यादा है। विश्व बैंक वर्तमान में हमें अंगोला, घाना, म्यांमार, कंबोडिया आदि के साथ रखकर निम्न-मध्यम आय वाला देश मानता है। हमें समान विकास सुनिश्चित करने के लिए ढेरों नौकरियां पैदा करने की जरूरत है।

सवाल है, जैसे-जैसे पश्चिम अपने द्वार बंद कर रहा है और भारत में युवा बेरोजगारी दर हमें परेशान कर रही है, इसका हल कैसे होगा? माना जाता है कि इतनी विशाल आबादी का फायदा अधिक श्रमबल पास होने के रूप में हो सकता है, लेकिन अगर युवाओं को शिक्षित, प्रेरित और राष्ट्र-विकास में शामिल नहीं किया तो यह किसी काम का नहीं। खतरा यह कि यहां स्वदेश में बेरोजगार और विदेशों से निर्वासित युवा, हमारी सबसे बड़ी समस्या बन सकते हैं। दशकों से हम श्रम व प्रतिभा का निर्यात करते आए हैं क्योंकि हमारे पास दोनों प्रचुर हैं।

सीमाओं की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती का मुकाबला

मधुरेंद्र सिन्हा

भारत की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन, म्यांमार, पाकिस्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए भारतीय सेना व सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है। लेकिन एक नई आंतरिक समस्या सिर उठा रही है। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है। समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन से वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है।

ऐसा ही खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाये जा रहे हैं। जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं का घुसपैठ होता रहा है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है। इतना ही नहीं गृह मंत्री ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें। दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है ताकि किसी तरह की विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आये।

डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाली जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोकें। इस रणनीति के तहत हाल ही में दो दिनी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले उठा लिया जाए।

जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित हैं। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाये। दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किये जायें। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जायेगा। सरकार वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाये रखने में मदद करेगी। इन इलाकों में पर्यटन के जरिये रोजगार सृजित होंगे। अरुणाचल प्रदेश में तो कार्यक्रम कार्यान्वयन से कई सीमावर्ती गांवों में जनसंख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है। ताकि हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। इन गांवों पर कुल 6,839 करोड़ रुपये का खर्च करने की योजना बनाई गई है। यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जायेगा, जिनकी रणनीतिक भूमिका है।

केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है। सरकार का मानना कि देश की बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा दोनों पर एक साथ जोर दिये बगैर बात नहीं बनेगी। भारतीय सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से है और उसे आमने-सामने की लड़ाई में हराना नामुमकिन है। इसलिए दुश्मन नये-नये तरीके अपनाता है और आंतरिक सुरक्षा पर चोट पहुंचाना उसका पुराना शस्त्र है। यह धीमे-धीमे व स्थानीय लोगों की अनुपस्थिति में किया जा सकता है।

कमजोरी और थकान दूर करेंगे ये एनर्जी बूस्टर सूपरफूड्स

अक्सर दिन भर की भागदौड़ और खान पान पर ध्यान न देने से शरीर में कमजोरी महसूस होने लगती है। जिससे काम करने का मन नहीं करता है और शरीर थका सा महसूस करता है। क्योंकि ठीक से भोजन न करने के कारण अक्सर लोगों के शरीर में पोषक तत्वों और एनर्जी लेवल कम हो जाता है। कई लोग तो बाहर का भारी या तला-भुना भोजन करते हैं यह भी सेहत के लिए और भी हानिकारक हो सकता है। शरीर की खोई हुई ताकत वापस पाने और पाचन तंत्र पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना एनर्जी लेवल को बढ़ाने के लिए सही आहार का चुनाव करना बेहद जरूरी है। ऐसे में ये चार सूपरफूड्स हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके तुरंत एनर्जी पा सकते हैं।

केला

शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देने के लिए रोजाना दो केले खाना सबसे अच्छा तरीका है। यह ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज जैसे नेचुरल शुगर का एक बेहतरीन स्रोत है, जो तुरंत एनर्जी देता हैं। इसके अलावा केले में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है, जो उपवास के दौरान कम हुए इलेक्ट्रोलाइट्स के लेवल को संतुलित करने और मांसपेशियों की ऐंठन व थकान को दूर करने में मदद करता है। यह भोजन पचाने में भी बहुत आसान होता है।

खजूर और बादाम

कमजोरी को दूर करने के लिए खजूर और बादाम का मिश्रण एक शक्तिशाली उपाय है। खजूर नेचुरल शुगर और आयरन से भरपूर होता है, जो तुरंत ऊर्जा देता है और खून की कमी को दूर करने में मदद करता है। वहीं बादाम हेल्दी फैट, प्रोटीन और मैग्नीशियम का खजाना है, जो थकान से लड़ने में मदद करता है। 4-5 भीगे हुए बादाम और 2-3 खजूर खाने से आप तुरंत ऊर्जावान महसूस करेंगे।

दही

पाचन तंत्र को दोबारा पटरी पर लाने के लिए दही एक सुपरफूड की तरह काम करता है। यह एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक है, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाकर पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। साथ ही यह प्रोटीन का भी एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर को ताकत देने और मांसपेशियों की मरम्मत करने में मदद करता है। इस लिए खाना खाने के बाद रोजाना एक कटोरी सादा दही खाना बेहद फायदेमंद होता है।

शकरकंद

शकरकंद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो व्यक्तिके शरीर में धीरे-धीरे पचता है और लंबे समय तक टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करता है। शकरकंद खाने से ब्लड शुगर का लेवल अचानक नहीं बढ़ता है और शरीर को निरंतर ऊर्जा मिलती रहती है। यह फाइबर और विटामिन ए से भी भरपूर होता है, जो पाचन क्रिया और इम्यूनिटी दोनों के लिए अच्छा है। आप इसे उबाल कर या भूनकर खा सकते हैं।

हंसना मना है

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया- गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-कुछ नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझे वह पुस्तक पढ़ने को कभी दी ही नहीं।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

कहानी — खटमल और जूं

एक समय दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, लेकिन इस बारे में राजा को कोई जानकारी नहीं थी। हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता, तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन न जाने कहां से उस राजा के बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया कि उसके इलाके में एक खटमल घुस आया है। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। कृपया मुझे यहां रुकने दो। उसने कहा, ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। तुम राजा के आसपास भी नहीं जाओगे। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। कृपया मुझे आज रात राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, जूं, खटमल की बातों में आ गई और उसने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, तुम राजा के खून का भोजन कर सकते हो, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। जब तक राजा पूरी तरह सो नहीं जाता, तब तक तुम उसे नहीं काट सकते, जूं ने कहा। इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। रात होते ही राजा अपने कमरे में आया और सोने की तैयारी करने लगा। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था और उसकी तोंद बहुत मोटी थी। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। प्रयास सफल रहेंगे।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

बॉलीवुड | करियर

बिग बॉस-19 के कंटेस्टेंट के साथ यामी गौतम ने शुरू किया था अपना करियर

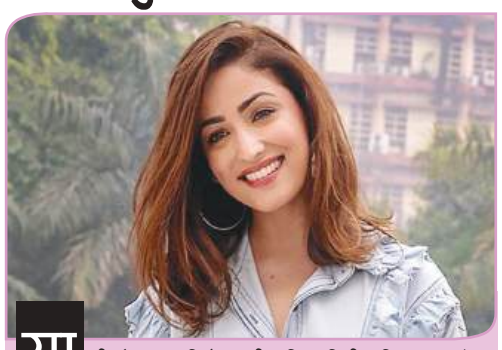

यामी गौतम इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म हक के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं, जिसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। इस वक्त यामी बॉलीवुड की एक सफल अभिनेत्री हैं हालांकि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी और दिलचस्प बात ये है कि उनके साथ उस टीवी सीरियल में इस वक्त बिग बॉस 19 में नजर आ रहे एक कंटेस्टेंट थे। ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यामी के शुरुआती करियर में उन्होंने बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट गौरव खन्ना के साथ काम किया था। अपनी व्यक्तिगत सफलताओं से बहुत पहले, दोनों ने टीवी शो ये प्यार ना होगा कम में सह-कलाकार के रूप में स्क्रीन स्पेस साझा की थी। शो में गौरव ने अबीर का किरदार निभाया था जबकि यामी ने लहर माथुर का किरदार निभाया था। कहानी उनके किरदारों के बीच खिलते प्यार के इर्द-गिर्द घूमती है। यह ड्रामा 2009 में दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर बन गया था। ये प्यार ना होगा कम 2009 में प्रसारित हुआ था। इस शो में लहर और अबीर के रोमांस को दिखाया गया था, जिसमें वे जाति के भेदभाव को तोड़ते हुए नजर आए। उस समय दर्शकों ने गौरव और यामी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को खूब सराहा था। शो का प्रोमो अब लगभग 15 साल पुराना है, यूट्यूब पर उन फैंस के लिए एक पुरानी यादों को ताजा करता है जो उनकी पुरानी जोड़ी को फिर से देखना चाहते हैं। यामी गौतम ने टेलीविजन पर चांद के पार चलो से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने ये प्यार ना होगा कम मेंकाम किया और किचन चैंपियन और मीठी चूरी नंबर 1 जैसे शोज में नजर आईं। यामी ने बॉलीवुड में आयुष्मान खुराना के साथ विकी डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने 2021 में निर्देशक आदित्य धर से शादी की और 2024 में इस कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। बिग बॉस 19 में छाए गौरव खन्ना ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी एक सफल पहचान बना ली है। उन्होंने सीआईडी, तेरे बिन, अनुपमा, ये प्यार ना होगा कम जैसे कई हिट टेलीविजन शो में काम किया है। हाल ही में उन्होंने सेलिब्रिटीमास्टरशेफ का खिताब जीता है।

नोरा फतेही ने अमेरिका में की सिंगर श्रेया घोषाल की तारीफ

नोरा फतेही अपने बेरतरीन डांस और एक्टिंग के साथ अपनी गायकी के लिए जानी जाती हैं। एक अमेरिकी पोडकास्ट में नोरा फतेही से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी, इस पर उन्होंने श्रेया घोषाल का नाम लिया। नोरा फतेही ने श्रेया के साथ एक गाना भी गाया है।

हाल ही में नोरा फतेही ने सिएरा के पोडकास्ट में अपने सिंगिंग, एक्टिंग और डांसिंग करियर के बारे में खुलकर बात की। बातचीत के दौरान जब सिएरा ने नोरा से पूछा कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी। इस पर नोरा फतेही ने सिंगर श्रेया घोषाल का नाम लिया।

नोरा फतेही ने कहा अगर आपने बॉलीवुड के गाने नहीं सुने हैं और आप उसके बारे में जानना चाहते हैं, तो मैं कहूंगी कि आप श्रेया घोषाल के गाने सुनें। वह एक आइकन हैं। मैंने उनके साथ (ओह मामा! तेतेमा) गाना गाया है। इस गाने में उन्होंने हिंदी वाला हिस्सा गाया है। उनकी आवाज अब तक कि सबसे अच्छी आवाजों में से एक है, जो मैंने सुनी है। उन्होंने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्मों के बेहतरीन गाने गए हैं। इसके अलावा उन्होंने कई गाने गए हैं। वह जिस तरह गाती हैं, वह शानदार है। कोई भी बॉलीवुड के संगीत, संस्कृति और इसकी भावना को समझना चाहता है, उसे श्रेया को सुनना चाहिए।

श्रेया घोषाल को भारत की सबसे अच्छी गायिकाओं में से एक माना जाता है। वह सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाली गायकों में शामिल हैं। उन्होंने पांच बार सबसे अच्छी प्लेबैक सिंगर का नेशनल फिल्म पुरस्कार जीता है और पांच बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिला है। नोरा फतेही ने बॉलीवुड में एक डांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अभिनय किया। इस साल वह श्रेया घोषाल, जेसन डेरुलो, शेनसी और हनी सिंह जैसे कलाकारों के साथ गानों का हिस्सा रहीं।

बिग बॉस-19 : अमान मलिक पर भड़कीं तान्या मित्तल

बिग बॉस 19 में कभी दोस्त रहे तान्या मित्तल और अमालमलिक के बीच अब अच्छे रिश्ते नहीं रहे। पिछले कुछ हफ्तों में उनके बीच कई बार झड़प और बहस हो चुकी हैं। अब आने वाले एपिसोड में हम देखेंगे कि तान्या अपना आपा खो देंगी और अमालमलिक पर पलटवार करेंगी। तान्या, अमाल को सीधे-सीधे कह रही हैं कि वे घर में अमाल की दादागिरी नहीं सहेंगी।

इस हफ्ते घर के कैप्टन अमाल बने हैं और उन्होंने कैप्टन रूप बनाया कि सब लोग एक साथ टेबल पर खाना खाएंगे। अमाल यह ऐलान करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि सभी घरवाले एक साथ टेबल पर खाना खाएंगे। उन्होंने तान्या से भी कहा कि वे अभी खाना खा लें नहीं तो उन्हें बाद में खाना नहीं मिलेगा। तान्या इस पर आपत्ति जताती हैं, जिसके बाद अमाल उनसे कहते हैं कि अगर वह नहीं मानीं तो उन्हें खाना नहीं मिलेगा। इससे तान्या भड़क जाती हैं और कहती हैं कि वह अमाल की दादागिरी और अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगी।

प्रोमो की शुरुआत अमालमलिक द्वारा यह कहते हुए की जाती है कि सभी घरवाले डाइनिंगटेबल पर एक साथ खाना खाएंगे। वह कहते हैं कि यह कैप्टन का नया रूल है। हालांकि, तान्या इस पर आपत्ति जताते हुए कहती हैं कि वह सबके साथ खाना नहीं चाहतीं। जवाब में, अमाल कहते हैं, मत खाओ फिर, जिससे एक गरमागरम बहस छिड़ जाती है। तान्या अपना आपा खो देती हैं, और कहती हैं, बेइज्जत होने नहीं आई हूं कि बिग बॉस में कि एक बार खाने के लिए तेरी इतनी दादागिरी सहूं। अमाल जवाब देते हैं, तुम नहीं मानोगे तो तुम्हें भी नहीं मिलेगा। फिर बहस बढ़ जाती है और तान्या अमाल को बदतमीज कहती है। तू खुश है ना ये करके तो कर। बदतमीज। मैंने भी 12 हफ्ते की दोस्ती निभाई है, वो बेशरम है उसको शर्म नहीं आ रही। अमाल इस पर कहते हैं- ज रो ले, चल ना निकल। दूसरी ओर बिग बॉस 19 को चार हफ्तों के लिए बढ़ाए जाने की चर्चा आखिरकार खत्म हो गई है। निर्माताओं ने अपने शुरुआती शेड्यूल पर ही टिके

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे रहस्यमई पहाड़

इस पहाड़ पर चढ़ना है मना, माना जाता है एलियन का घर!

दुनिया में कई रहस्यमई जगहें हैं, लेकिन स्पेन का टिंडाया पहाड़ सबसे अनोखा है। ये कोई आम पहाड़ नहीं है। इसपर चढ़ाई करना सख्त मना है। साथ ही इसके पास जाने से भी लोग डरते हैं। लेकिन क्यों? अब तक कई यात्रियों ने इस राज को सॉल्व करने की कोशिश की है। ऐसे ही एक ट्रैवलर Joshua McCartney ने भी जब स्पेन जाने का फैसला किया तो इस रहस्यमई पहाड़ के बारे में सुना। वो ना सिर्फ इस पहाड़ के नजदीक गए, बल्कि आसपास के लोगों से बातें कर रहस्य को सुलझाने की भी कोशिश की। उन्होंने इस पहाड़ से जुड़े कई सीक्रेट रिवील किये, जिसे जानकर हर कोई हैरान रह गया।

जनकारियां शेयर की, वो सब हैरान करने वाली है। ये पहाड़ कोई साधारण चट्टान नहीं, बल्कि प्राचीन सभ्यता का रहस्यमयी कोड है। टिंडाया स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में फुएर्तेवेंतुरा द्वीप पर स्थित है। इसकी ऊंचाई सिर्फ 400 मीटर है लेकिन इसका आकार अनोखा है। ये ट्रंकेटेड कोन (कटा हुआ शंकु) जैसा नजर आता है। इसके चारों तरफ ज्वालामुखी चट्टानें हैं और रेगिस्तान जैसा इलाका है। लेकिन असली रहस्य इसके अंदर और ऊपर छिपा है। इसे 1990 में खोजा गया था। पहाड़ की चोटी पर 379 पैरों के निशान

उकेरे हुए नजर आए थे। हर निशान 25-30 सेमी लंबा था और किसी के बायें पैर का। ये सब निशान पश्चिम की तरफ जा रहे थे। जब कार्बन डेटिंग से इसकी उम्र पता की गई तो ये निशान 2000 साल पुराने निकले।

लोकल्स टिंडाया को पवित्र पहाड़ मानते हैं। उनका मानना है कि यहां जादुई ऊर्जा बहती है। यहां का चुंबकीय क्षेत्र सामान्य से 10 गुना ज्यादा है। यहां कंपास काम नहीं करता। लोगों का कहना है कि रात में यहां से अजीब रोशनी दिखती है। वहीं कुछ का दावा है कि ये एलियन बेस है। क्योंकि पैर के निशान आकाश की तरफ इशारा करते हैं। सरकार ने क्यों बैन किया? 1995 में ये UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज कैंडिडेट बना था। स्पेन सरकार ने चढ़ाई को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया। सिर्फ वैज्ञानिकों को यहां जाने की परमिशन है वो भी गाइड के साथ। इसका खास कारण है। ऊपर मौजूद पैर चिह्न नष्ट नहीं हो, इसलिए ये फैसला लिया गया।

स्टेशन से खुलते ही गायब हो जाती है ये ट्रेन! 6 दिन रहती है लापता, दूर-दूर से चढ़ने आते हैं लोग

कल्पना कीजिए एक ऐसी ट्रेन जो स्टेशन से निकलते ही दुनिया से गायब हो जाती है। 6 दिन तक ना कोई फोन कनेक्ट, ना इंटरनेट और ना ही बाहर की कोई खबर। बस आप, ट्रेन और अनंत प्राकृतिक नजारे। ये कोई साइंस फिक्शन नहीं, बल्कि रियल लाइफ की ट्रेन च3 है, जो बीजिंग से मॉस्को तक का 7826 किलोमीटर लंबा सफर तय करती है। ट्रांस-मंगोलियन रूट पर चलने वाली ये ट्रेन चीन, मंगोलिया और रूस ङ्क तीन देशों से गुजरती है। हर बुधवार सुबह बीजिंग से चलती है और अगले सोमवार मॉस्को पहुंचती है। लेकिन 2020 से कोविड की वजह से बंद थी। अब 2025 में खाली टेस्ट रन हो चुके हैं, जल्द पैसेंजर सर्विस शुरू होने की उम्मीद है। इस ट्रेन को सबसे रहस्यमई सफर के लिए जाना जाता है। आखिर कैसा है इस ट्रेन का रहस्य, जिसकी वजह से यात्री इस ट्रेन से यात्रा करने को बेचैन रहते हैं। आम केसेस में आप ट्रेन खुलने के बाद उसे लोकेट कर सकते हैं। ट्रेन के यात्री अपने घरों में बात कर सकते हैं। आप उनका हालचाल ले सकते हैं। लेकि ये ट्रेन जैसे ही बीजिंग स्टेशन छोड़ती है, लोगों से कट जाती है। गोबी डेजर्ट के सुनसान रेगिस्तान, मंगोलिया के घास के मैदान जहां दूर-दूर तक युर्त्स (मंगोलियन टेंट) दिखते हैं, फिर साइबेरिया की बर्फीली जंगल और झील बैकाल की नीली चादर से होकर ये ट्रेन गुजरती है। 6 दिन में 7800+ किमी का सफर ये ट्रेन पार करती है। बॉर्डर पर गेज चेंज होता है। चीन का नैरो गेज, रूस-मंगोलिया का ब्रॉड गेज। एरेनहॉट बॉर्डर पर ट्रेन को 3 घंटे तक जैक से उठाकर बोगी चेंज की जाती है। पैसेंजर बाहर निकलकर ये कमाल देख सकते हैं। जहां भारत की ट्रेनों में कई क्लास होते हैं, इस ट्रेन में केबिन होते हैं वो भी दो तरह के। डीलक्स 2-बर्थ (प्राइवेट, शावर वाला) या 4-बर्थ हार्ड स्लीपर। इसके अलावा इस ट्रेन में खाना भी दिया जाता है। हर देश में अलग डाइनिंग कार होती है। चीन में चाइनीज, मंगोलिया में मटन सूप और डंपलिंग्स, रूस में बोर्श सूप और वोदका। यानी आप देश के साथ साथ उसके कुजींस का भी मजा ले सकते हैं। प्लेटफॉर्म वेंडर्स भी स्टॉप पर चढ़कर सामान बेचते हैं। फ्रेश फ्रूट्स, स्मोक्ड फिश, मंगोलियन कैंडी आदि। बात टिकट के दाम की करें तो वन-वे करीब 3800 चाइनीज युआन (लगभग 45,000 रुपये) से शुरू होता है। इसमें सिर्फ कैश लिया जाता है। ट्रेन में चढ़ने वालों के पास चीन, मंगोलिया और रूस तीनों का ट्रांजिट या टूरिस्ट वीजा होना जरूरी है।

दिल्ली धमाके के बाद एनडीए सरकार पर उठे सवाल

» हमले की जिम्मेदारी तय हो : कांग्रेस प्रवक्ता

» अब लगता है देश मजबूत हाथों में नहीं है: सुप्रीया श्रीनेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस दिल्ली धमाके के बाद से एनडीए सरकार खास तौर से पीएम मोदी पर हमले का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने हालिया सुरक्षा घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री उसी दिन बरामद की गई जिस दिन लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट हुआ था। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार यह निर्धारित कर सकती है कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं।

श्रीनेत ने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है। यह उसी दिन हुआ जिस दिन फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। सरकार यह निर्धारित नहीं कर सकती कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। ऐसे समय में जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री मोदी भूटान गए हैं। उन्होंने सरकार की खुफिया जानकारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार के पास इस घटना के बारे में कोई खुफिया जानकारी नहीं थी? सुरक्षा में गंभीर चूक हो रही है। देश को लग रहा है कि वह मजबूत हाथों में नहीं है। देश को विश्वास में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। सोमवार को लाल किले के पास सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल के पास धीमी गति से चल रही हुंडई आई 20 कार में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

सच्चाई सामने आना बेहद जरूरी: गहलोत

दिल्ली विस्फोट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसकी गहन जांच की मांग की और ज़ोर देकर कहा कि सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए, गहलोत ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसकी गहन जांच होनी चाहिए। यह ज़रूरी है कि सच्चाई जनता के सामने आए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार शाम राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास एक हुंडई आई 20 कार में हुए विस्फोट के एक दिन बाद आई है, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का टिप्पणी करने से इनकार

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में हुए विस्फोट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि वह इंतज़ार करेंगे और देखेंगे। विस्फोट के बारे में पूछे जाने पर, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं पहले ही प्रतिक्रिया दे चुका हूं। मैं वही बात दोबारा नहीं दोहराना चाहता। इंतज़ार करते हैं। फिर देखते हैं। सोमवार को, खड़गे ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार को विस्फोट की शीघ्र और गहन जांच सुनिश्चित करनी चाहिए।

हमने सत्ता का दुरुपयोग कभी नहीं किया : अजित

» राकांपा नेता बोले- जनता और हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हम लगातार जीत रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ राकांपा प्रमुख अजित पवार ने कहा कि विकास और कल्याणकारी राजनीति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण लोग उनकी पार्टी में विश्वास बनाए हुए हैं। पवार ने कहा, हमने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया और न ही कभी अहंकार किया। सत्ता का दुरुपयोग ज़्यादा दिन नहीं चलता। जनता हमें आठ लाख वोटों से इसलिए चुनती है क्योंकि हम उनके लिए ईमानदारी से काम करते हैं। जनता और हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हम लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। वह मुंबई के महिला विकास मंडल हॉल में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे, जहां आष्टी निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व भाजपा विधायक भीमराव धोंडे अपने कई समर्थकों के साथ राकांपा में शामिल हो गए।

पवार ने कहा कि पार्टी उन सभी को पूरा समर्थन देगी और सम्मान देगी जो लोगों के लिए काम करने के इरादे से पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, केवल राजनीति से हमारा काम नहीं चलेगा। सुनिश्चित करें कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई योजनाएं गरीबों तक पहुंचें। उनके चेहरों पर संतुष्टि झलकनी चाहिए। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को गलत कामों के प्रति आगाह करते हुए कहा, मैं अच्छा काम करने वालों को पूरा समर्थन दूंगा। लेकिन अगर कोई गलत काम करता है और संरक्षण की उम्मीद करता है, तो ऐसा नहीं होगा। सहनशीलता की सीमा समाप्त हो गई है, इसलिए इससे अलग उम्मीद न करें।

नगर निगम की अजब कहानी : लेखा विभाग में बरकरार है भ्रष्टाचार!

» ईमानदार नगर आयुक्त की नाक के नीचे हो रहा खेल

» सीएम की 'जीरो टॉलरेंस नीति' को चुनौती दे रहे हैं लेखा विभाग में जमे बाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में एक ओर नगर आयुक्त की ईमानदारी की छवि जनता के बीच चर्चा में रहती है, वहीं दूसरी ओर लेखा विभाग के भीतर भ्रष्टाचार का जाल फैला हुआ है। वर्षों से एक ही स्थान पर जमे बाबुओं ने न केवल विभागीय अनुशासन की धज्जियां उड़ाई हैं, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति को भी खुली चुनौती दे रखी है। एक ओर जहां निगम में राजस्व निरीक्षकों और जोनल अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, वहीं लेखा विभाग में वर्षों से तैनात कुछ बाबू आज भी अपनी मलाईदार कुर्सियों पर काबिज हैं।

शासन की स्पष्ट हिदायतों के बावजूद इनका तबादला नहीं होना अब सवालों के घेरे में है।कर्मचारियों और निगम के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि शासन के आदेशों की खुली अवहेलना करते हुए ये बाबू लंबे समय से मनमानी कर रहे हैं। न कोई स्थानांतरण, न कोई जवाबदेही — जिससे विभागीय पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। नगर निगम के अंदर चर्चा है कि जब नगर आयुक्त स्वयं ईमानदार हैं, तो आखिर लेखा विभाग की अनदेखी क्यों की जा रही है? क्या यह 'बाबू लॉबी' इतनी मजबूत है कि वह प्रशासन की नजर से बची रह जाती है? अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शासन और नगर आयुक्त इस लेखा विभाग की जमी हुई जमावट पर कब कार्रवाई करते हैं, या फिर यह भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होंगी।

राजेश्वर सिंह ने की यूपी में क्लीन-एयर मिशन शुरू करने की मांग

» भाजपा विधायक ने सीएम योगी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनी नगर विधानसभा के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने लखनऊ में बढ़ते वायु प्रदूषण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्यव्यापी क्लीन-एयर मिशन की मांग की है। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर को लखनऊ का एक्यूआई 350 तक पहुंच गया जो गंभीर श्रेणी में आता है।

यह ऐसा है मानो हर व्यक्ति रोज़ 10 सिगरेट के बराबर जहरीली हवा में सांस ले रहा हो। डॉ. सिंह ने योगी के प्रभावी कदमों पराली जलाने के मामलों में 46 प्रतिशत कमी, बायो-डीकम्पोजर वितरण, ईवी नीति 2023, वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, प्लास्टिक प्रतिबंध, और 35 करोड़ पेड़ों के रोपण — की प्रशंसा की। गौरतलब हो कि ठंडक में हवा में धुंध व धुएं के कण बढ़ने लगते हैं ऐसे ऐसी योजनाओं के लागू होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण हो सकेगा। सरोजनी नगर के विधायक ने अपने क्षेत्र में चल रही योजनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि 5 साल बाद यह क्षेत्र वैश्विक नाम करेगा।

चीन के वॉर ऑन पाल्यूशन की तरह बने योजना

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से रियल-टाइम मॉनिटरिंग और पूर्वानुमानित अलर्ट सिस्टम बनाकर, चीन के वॉर ऑन पाल्यूशन की तरह उ.प्र. भी तेज़ सुधार लाने में सक्षम है। वायु प्रदूषण अब अदृश्य खतरा नहीं, एक दिखाई देने वाला स्वास्थ्य संकट है। डॉ. सिंह ने कहा कि योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे स्वच्छ राज्य बन सकता है।

हेल्थ बीमा में प्रगति कर रही यूपी : अधाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की हेल्थ बीमा बढ़ते कदम की पूरे देश में सरहना हो रही है। पॉलिसीबाज़ार की पीओएसपी शाखा पीबीपार्टनर्स ने उत्तर प्रदेश में अपने शानदार विकास और विस्तार की जानकारी दी। बढ़ती ग्राहक जागरूकता और तेजी से बढ़ते एजेंट नेटवर्क के साथ, उत्तर प्रदेश पीबीपार्टनर्स के लिए एक प्रमुख विकास स्तंभ बन गया है। यूपी पीबीपार्टनर्स के लिए एक प्रमुख हेल्थ इंश्योरेंस मार्केट बन गया है।

साल-दर-साल 143 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी को दर्शाता है। पीबीपार्टनर्स के नेशनल सेल्स हेड हेल्थ इंश्योरेंस, नीरज अधाना ने बताया कि ये आंकड़े केवल बाजार के बढ़ने को ही नहीं दिखाते, बल्कि स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और क्षेत्रीय बीमा सिस्टम को मजबूत करने में पीबीपार्टनर्स की पहलों की सफलता को भी दर्शाते हैं, बढ़ती जागरूकता से यूपी में पर्सनलाइज्ड हेल्थ इंश्योरेंस प्लान्स की मांग बढ़ रही है।

बीसीसीआई का कोहली-रोहित को सख्त संदेश

» भारत के लिए खेलना है तो घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने देश के दो दिग्गज क्रिकेटरों विराट कोहली और रोहित शर्मा को साफ तौर पर संदेश दिया है। कि अगर वे वनडे टीम में बने रहना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू वनडे टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा। क्योंकि दोनों सिर्फ वनडे टीम में सक्रिय हैं। ऐसे में बोर्ड और टीम प्रबंधन चाहते हैं कि वे घरेलू क्रिकेट के माध्यम से अपनी मैच फिटनेस और फॉर्म बनाए रखें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दिशा में पहला कदम 24 दिसंबर को खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी मैच के रूप में देखा जा रहा है।

यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन से नौ दिसंबर के बीच होने वाली वनडे सीरीज और 11 जनवरी से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड सीरीज के बीच घरेलू कैलेंडर का एकमात्र वनडे मैच है। जानकारी के मुताबिक, रोहित शर्मा ने मुंबई क्रिकेट संघ को सूचित कर दिया है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, विराट कोहली की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। पिछले महीने ही चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने भी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में भाग लेने की जरूरत पर जोर दिया था। रोहित ने संकेत दिया है कि वह 26 नवंबर से शुरू होने वाले सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में भी हिस्सा ले सकते हैं। वह इन दिनों मुंबई के शरद पवार इंडोर अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। दूसरी ओर, कोहली इन दिनों लंदन में रह रहे हैं और बोर्ड उन्हें भी जल्द घरेलू सर्किट में देखने की उम्मीद कर रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में एक-एक रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। जनवरी में कोहली ने 12 साल बाद दिल्ली के लिए मैदान संभाला, जबकि रोहित ने 10 साल बाद मुंबई के लिए मैच खेला था।

त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए और बी टीम का एलान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति ने 17 से 30 नवंबर तक बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेली जाने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक अंडर-19 त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए अंडर-19 और भारत बी अंडर-19 टीमों की घोषणा कर दी। विहान मल्होत्रा को भारत अंडर-19 ए टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि आरोन जॉर्ज भारत अंडर-19 बी टीम का नेतृत्व करेंगे। इस सीरीज में अफगानिस्तान अंडर-19 टीम भी भाग लेगी। इन टीमों में आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई ने बताया कि म्हात्रे इस समय रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं जबकि सूर्यवंशी को हाल ही में एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए टीम में जगह मिली है।

बिहार में चुनाव के एग्जिट पोल पर मची रार

» सत्ता पक्ष ने सराहा विपक्ष ने नकारा

» राजद बोली तेजस्वी 18 को लेंगे शपथ

» एनडीए बोला- विकास के लिए पड़ा बंपर वोट

» पप्पू यादव के बयान के बाद हलचल तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव को लेकर अलग-अलग एजेंसियों ने सर्वे किया है, जिसके आंकड़े सामने आ गए हैं। बिहार के ज्यादातर एग्जिट पोल के मुताबिक एक बार फिर एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। जबकि महागठबंधन एग्जिट पोल के आंकड़ों में पिछड़ती नजर आ रही है। इन आंकड़ों को जहां सत्ता पक्ष ने सराहा है वहीं विपक्ष ने नकार दिया है। इन आंकड़ों को लेकर आरजेडी समेत कई दलों ने बकवास बताया है। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, एग्जिट पोल पहले भी गलत साबित हुए हैं, इस बार भी होंगे, तेजस्वी की जीत होगी बंपर, जनता जीत रही है, जनता ने जो वोट दिया है, ये जीत किसी भी कीमत पर होगी।

उन्होंने कहा, बिहार जीतेगा, एनडीए सरकार के खिलाफ जनता ने वोट किया है, तेजस्वी यादव सरकार बनाने के लिए वोट किया है, जो लोग एग्जिट पोल देखकर मुगालते में हैं उन्हें रहने दीजिए। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। इससे पहले आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने मन बना लिया है कि अगली सरकार उनके नेतृत्व में बनाई जाए।

राजद प्रवक्ता ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार बिहार में इतनी तादाद में वोटिंग हुई। पहले चरण में मतदाताओं ने वोट देकर इतिहास बना दिया। दूसरे चरण में भी ऐसी ही तस्वीर देखने को मिल रही है। उधर पप्पू यादव के बयान से बिहार की राजनीति में नई हलचल मच गई है।

एक ओर जहां महागठबंधन में नीतीश कुमार की संभावित घर वापसी की चर्चा तेज हो गई है, वहीं एनडीए खेमे में इस बयान को लेकर हलचल है। अब नजरें 2025 के विधानसभा चुनाव के नतीजों पर हैं, जो तय करेंगे कि पप्पू यादव की भविष्यवाणी कितनी सही साबित होती है।

एनडीए का अर्थ है नैया डूबेगी अबकी बार : मृत्युंजय तिवारी

राजेडी नेता कहा, जैसे सूरज का पूरब में उगना तय है वैसे ही बिहार में तेजस्वी सरकार बनना तय है, एनडीए का अर्थ है नैया डूबेगी अबकी बार। 18 को तेजस्वी का शपथग्रहण तय है। दावे तो बहुत किए गए है, 400 पार का नारा भी जनता ने देखा है, 14 नवंबर को बिहार इतिहास लिखने जा रहा है।

चुनाव प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए पेश किए जाते हैं पोल : तेजस्वी

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल को खारिज करते हुए कहा कि वह न तो झूठे आशावाद में जीते हैं और न ही गलतफहमी में। यादव ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ज़ोर देकर कहा कि लोग मतदान के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं और मतदान प्रक्रिया अभी खत्म भी नहीं हुई है, एग्जिट पोल बिहार चुनाव में एनडीए की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

उन्होंने सर्वेक्षण के सैंपल साइज़ और मानदंडों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। ये सर्वेक्षण सिर्फ़ मनोवैज्ञानिक असर डालने के लिए, चुनाव प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए, पेश किए जाते हैं। अगर आप इन सर्वेक्षणों को दिखाने वालों से सैंपल साइज़ के बारे में पूछेंगे, तो कोई भी आपको नहीं बता पाएगा। न तो सैंपल साइज़ और न ही सर्वेक्षण के मानदंड सार्वजनिक किए गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि महागठबंधन ने मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद लोगों से फीडबैक लिया और 1995 के बिहार विधानसभा चुनावों से भी बेहतर नतीजे हासिल करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। तेजस्वी ने 18 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की अपनी पूर्व घोषणा को भी दोहराया और राज्य में बदलाव का हवाला देते हुए कहा कि लोगों ने एनडीए सरकार के खिलाफ़ बड़ी संख्या में वोट दिया है।

बीजेपी नीतीश की पीठ में खंजर घोंप देगी : पप्पू यादव

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस बार महागठबंधन के पक्ष में मतदान किया है और एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। पप्पू यादव ने कहा कि एग्जिट पोल कब सही रहा है? वोटिंग खत्म होते ही शाम पांच बजे नतीजे दिखाने लगते हैं और कहते हैं कि 65 प्रतिशत महिलाओं ने एनडीए को वोट दिया। यह सब आंकड़ेबाजी है, असल फैसला तो चुनाव आयोग करेगा कि किसे जनता ने चुना है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब हर बार एग्जिट पोल गलत साबित होते हैं, तो फिर इस बार उन पर भरोसा क्यों किया जा रहा है। पप्पू यादव ने नीतीश कुमार को सीधा संदेश देते हुए कहा कि नीतीश कुमार आपका घर महागठबंधन है। बीजेपी आपकी पीठ में खंजर घोंप देगी. आपकी पार्टी जेडीयू में जो लोग विभीषण हैं, वो आपको कब धोखा दे देंगे, यह आपको भी मालूम नहीं है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने घर यानी महागठबंधन में वापस आइए। निर्दलीय सांसद ने यह भी कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है और इस बार के नतीजे एनडीए को चौंका देंगे।

बिहार के बाद अब बीएमसी चुनाव पर सियासी नजर

» भाजपा का मुंबई में बड़ा बदलाव,चार नए महासचिव नियुक्त, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने प्रारंभ की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गए हैं और इसी के साथ अब भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए तैयारी तेज कर दी है। बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है, जिसके तहत मुंबई में चार नए महासचिव नियुक्त किए गए हैं। बीजेपी द्वारा राजेश शिरवाडकर, गणेश खापरकर, आचार्य पवन त्रिपाठी और श्वेता पारुलेकर शामिल हैं।

ये नई नियुक्तियां बीजेपी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने की हैं। बीएमसी के चुनाव संभावित रूप से जनवरी 2026 में होने वाले हैं। इसको लेकर सत्तारूढ़ दलों के साथ-साथ विपक्षी दल भी जोरदार तैयारियों में लगे हैं। महायुति एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कह रही है तो महाविका अघाड़ी के सहयोगी दल अलग-अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। कांग्रेस एमवीए से अलग अकेले अपने दम पर बीएमसी चुनाव में उतर सकती है। वहीं, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतर सकते है। शरद पवार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, महायुति की स्थिति स्पष्ट है कि बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी, तीनों साथ मिलकर ही बीएमसी चुनाव के मैदान में उतरेंगे।

कांग्रेस अकेले लड़ेगी चुनाव

हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने घोषणा की थी कि कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने का प्लान बना रही है। कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद स्थानीय स्तर पर यह फैसला लिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा था कि बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को 30-35 सीटें मिलती हैं। हालांकि, कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि अगर समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल प्रस्ताव रखते हैं, तो पार्टी उनके साथ चुनाव लड़ने को तैयार है. समान विचारधारा वाली बात से साफ है कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ नहीं जाना चाहती और इसी नाराजगी के चलते उद्धव ठाकरे के साथ भी गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहती।

बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को फिर झटका

» दिल्ली हाईकोर्ट ने दी 72 घंटे की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को वह विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है, जिसमें अन्य च्यवनप्राश को धोखा बताया गया था। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया कि वह तीन दिन में सभी इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और प्रिंट मीडियम से इस विज्ञापन को हटाए।

हाई कोर्ट ने कहा, विज्ञापन के जरिए यह संदेश देना कि सिर्फ पतंजलि का ही प्रोडक्ड असली है और दूसरे धोखा है, यह गलत है और सामान्य तौर च्यवनप्राश की सभी कैटिगरी को बदनाम करता है। जस्टिस तेजस करिया ने कहा, कोई भी शख्स अगर आयुर्वेदिक प्रोडक्ट का निर्माण कानून और उसमें दर्ज नियमों का पालन करते हुए करता है, तो उसके प्रोडक्ट को भ्रामक बताकर बदनाम नहीं किया जा सकता, जब कानून उसे अच्छी और स्वीकार्य आयुर्वेदिक औषधि मानता है। डाबर इंडिया पतंजलि द्वारा जारी किए गए 25 सेकंड के विज्ञापन से व्यथित था, जिसका शीर्षक था 51 जड़ी-बूटियाँ। 1 सत्य। पतंजलि च्यवनप्राश! पतंजलि के विज्ञापन में, एक महिला अपने बच्चे को च्यवनप्राश खिलाते हुए कहती है, चलो धोखा खाओ। इसके बाद, रामदेव कहते हैं, अधिकांश लोग च्यवनप्राश के नाम पर धोखा खा रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस की एसआईटी जांच की मांग

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पूर्व मंत्री बाबा सिद्दकी मर्डर केस की एसआईटी जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर मुंबई पुलिस से जवाब मांगा है। सिद्दीकी की पत्नी शहजीन ने कोर्ट में यह याचिका दायर की है। इसमें दावा किया गया है कि पुलिस केस के असली दोषियों को पकड़ने में नाकाम रही है।

याचिका में शहजीन ने बिल्डर और राजनीतिक सांठगांठ पर आरोप लगाया है। इसके साथ ही जांच के लिए एसआईटी गठन की मांग की है। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस आर.आर भोसले की बेंच ने संयुक्ति पुलिस आयुक्त (अपराध) और संबंधित जांच अधिकारी को याचिका के जवाब में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। पुलिस को मामले से जुड़ी केस डायरी पेश करने को कहा है। 11 दिसंबर को याचिका पर अगली सुनवाई रखी गई है। सुनवाई के दौरान इस मामले में जिशान सिद्दीकी के बयान दर्ज किए जाने के संबंध में संशय व्यक्त किया गया था। अब तक 26 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की विधवा शहज़ीन ज़ियाउद्दीन सिद्दीकी की याचिका के जवाब में पुलिस आयुक्त हलफ़नामा दायर करेंगे। याचिका में अपने पति की हत्या की आगे की जाँच या स्वतंत्र जाँच की माँग की गई है। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति आर.आर. भोंसले के समक्ष सुनवाई के दौरान, शहज़ीन की ओर से वकील प्रदीप घरात ने कहा कि याचिका दायर करने के बाद, उनके बेटे जीशान सिद्दीकी को दी गई वाई+ सुरक्षा कम कर दी गई है।

दिल्ली ब्लास्ट की जांच के लिए स्पेशल टीम गठित

» 10 सदस्यों की होगी टीम, डीजी विजय सखारे करेंगे नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कार धमाके के बाद सभी जांच एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, एनआईए ने धमाके की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है। कई वरिष्ठ अधिकारी इस टीम क हिस्सा होंगे।

एनआईए के द्वारा गठित की गई इस टीम का नेतृत्व एडीजी रैंक के अधिकारी करेंगे। दिल्ली धमाके के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीते दिन ही मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी। एनआईए ने मामले की जांच के लिए 10 सदस्यों की स्पेशल टीम बनाई है, जिसका नेतृत्व एडीजी विजय सखारे करेंगे। विजय सखारे 1996 केरल कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। उनके अलावा इस टीम में आईजी, 2 डीआईजी, 3 एसपी और अन्य डीएसपी रैंक के अधिकारी शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के सामने हुए विस्फोट को आतंकी हमला बताते हुए यूएपीए के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। ह्ढ्ढ ने भी केस दर्ज करते हुए फौरन जांच शुरू कर दी है। कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

बंगाल के बीरभूमि से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद

राजधानी दिल्ली में कार विस्फोट की घटना को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल पुलिस ने बीरभूम जिले से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद की हैं। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिलने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन दोनों घटनाओं में कोई कनेक्शन है और क्या आतंकी दिल्ली की तरह ही बंगाल को भी दहलाने की साजिश रच रहे थे? पुलिस ने बताया कि 50 बैग में भरकर 20 हजार जिलेटिन छड़ों को एक पिक अप वैन से जब्त किया गया। यह वैन पड़ोसी राज्य झारखंड के पाकुड़ से बंगाल जा रही थी। मंगलवार की रात बीरभूम में सुल्तानपुर नलहाटी रोड पर पुलिस ने जांच के दौरान इस पिकअप वैन को पकड़ा। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि ये जिलेटिन की छड़ें गैरकानूनी तरीके से ले जायी जा रही थी और पुलिस ने पाकुड़ पुलिस के साथ समन्वय करके इस गाड़ी को पकड़ा। अब जांच एजेंसियां घटना की तह तक जाने की कोशिश कर रही है कि क्या बीरभूम में पकड़ी गई गाड़ी फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा तो नहीं है?

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।